

कूलिंग टावर :- रेफ्रिजिलेशन प्रक्रिया में

रेफ्रिजिरेन्ट द्रव ठण्डी करने वाली

वस्तु या स्थान के ताप लेकर वाष्प बन जाता है। इस वाष्प का पुनः उपयोग करने के लिए आवश्यक है कि वाष्प का तापमान कम किया जाये जिससे वाष्प द्रव में परिवर्तित हो जाये और उसे पुनः उपयोग में लाया जा सके। द्रव में परिवर्तन करने के लिए ठण्डे पानी की आवश्यकता होती है। कंडेन्सर के वाष्प रेफ्रिजिरेन्ट को द्रव में परिवर्तन करने में ठण्डा पानी गर्म हो जाता है। इस गर्म पानी को ठण्डा करने के लिए मिशन-उपाय किये जाते हैं।

कूलिंग टावर के प्रकार

ये दो प्रकार के होते हैं

- (i) प्रकृतिक ड्राफ्ट कूलिंग टावर
- (ii) यांत्रिक ड्राफ्ट कूलिंग टावर